अनुक्रमांक

मुद्रित पृष्ठों की संख्या :

नाम

901

801(DG)

2023

हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 70**

सामान्य निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(ii) प्रश्न-पत्र दो खण्डों 'अ' तथा 'ब' में विभाजित है ।

(iii) प्रश्न-पत्र के खण्ड 'अ' में बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R. शीट पर नीले अथवा काले बॉल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें ।

(iv) खण्ड 'अ' में बहु-विकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है ।

(v) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उसके निर्धारित अंक दिये गये हैं ।

खण्ड - 'अ'

(बहु-विकल्पीय प्रश्न)

1. 'रस मीमांसा' के लेखक हैं [1]

(A) महादेवी वर्मा

(B) रामचन्द्र शुक्ल

(C) 'निराला'

(D) महावीर प्रसाद द्विवेदी

2. 'तितली' कृति की विधा है : [1]

(A) कहानी

(B) जीवनी

(C) उपन्यास

(D) नाटक

3. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद लेखक हैं : [1]

(A) गाँधी की देन के

(B) हिन्दी - साहित्य का इतिहास के

(C) इन्द्रजाल के

(D) हिन्दी - साहित्य विमर्श के

4. 'साहित्य और कला' रचना है: [1]

(A) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी की

(B) सुमित्रानन्दन पन्त की

(C) भगवतशरण उपाध्याय की

(D) जयप्रकाश भारती की

5. शुक्लोत्तर - युग के लेखक हैं : [1]

(A) राधाचरण गोस्वामी

(B) चतुरसेन शास्त्री

(C) दौलतराम

(D) धर्मवीर भारती

6. रीतिकालीन कवि हैं: [1]

(A) केदार भट्ट

(B) जायसी

(C) पद्माकर

(D) कृष्णदास

7. 'छत्रसाल दशक' के रचयिता हैं: [1]

(A) मतिराम

(B) भूषण

(C) घनानन्द

(D) 'हरिऔध'

8. 'तारसप्तक' के सम्पादक हैं: [1]

(A) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(B) नरेन्द्र शर्मा

(C) भवानीप्रसाद मिश्र

(D) केशव

9. सुमित्रानन्दन पन्त की रचना है : [1]

(A) 'ज्ञानदीप'

(B) 'युगवाणी'

(C) 'प्रेमवाटिका'

(D) 'क्षणदा'

10. 'स्मृति की रेखाएँ' साहित्य की विधा है: [1]

(A) जीवनी

(B) भेंटवार्ता

(C) संस्मरण

(D) नाटक

11. 'करुण रस' का स्थायीभाव है: [1]

(A) भय

(B) निर्वेद

(C) विस्मय

(D) शोक

12. 'पीपर पात सरिस मन डोला' में अलङ्कार है [1]

(A) उत्प्रेक्षा

(B) रूपक

(C) उपमा

(D) यमक

13. सुनि केवट के बैन, प्रेम लपेटे अटपटे । [1]

बिसरे करुना ऐन, चितइ जानकी लखन तनु ।

उपर्युक्त पंक्तियों में छन्द है :

(A) रोला

(B) सोरठा

(C) सवैया

(D) कुण्डलिया

14. 'अनुचर' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है: [1]

(A) अन

(B) अनु

(C) अ

(D) आ

15. प्रत्यय के प्रकार हैं : [1]

(A) दो

(B) चार

(C) पाँच

(D) तीन

16. 'वेद-पुराण' में समास है: [1]

(A) द्विगु

(B) बहुव्रीहि

(C) द्वन्द्व

(D) तत्पुरुष

17. 'परमोद' शब्द का तत्सम रूप है: [1]

(A) पृमोद

(B) प्रमुद

(C) प्रमोद

(D) प्रमाद

18. 'इत्यादि' में सन्धि है। [1]

(A) यण् सन्धि

(B) गुण 'सन्धि

(C) वृद्धि सन्धि

(D) जश्त्व सन्धि

19. 'फलेन' शब्द का वचन एवं विभक्ति है: [1]

(A) द्विवचन, चतुर्थी विभक्ति

(B) एकवचन, पञ्चमी विभक्ति

(C) बहुवचन, षष्ठी विभक्ति

(D) एकवचन, तृतीया विभक्ति

20. 'अपठम्' धातु का वचन एवं पुरुष है: [1]

(A) द्विवचन, उत्तम पुरुष

(B) एकवचन, प्रथम पुरुष

(C) बहुवचन, मध्यम पुरुष

(D) एकवचन, उत्तम पुरुष

खण्ड - 'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2+2+2=6]

मित्रता के लिए यह आवश्यक नहीं है कि दो मित्र एक ही प्रकार के कार्य करते हों या एक ही रुचि हों । इसी प्रकार प्रकृति और आचरण की समानता भी आवश्यक नहीं है। दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों में बराबर प्रीति और मित्रता रही है । राम धीर और शान्त प्रकृति के थे, लक्ष्मण उग्र और उद्धत प्रकृति के थे, पर दोनों भाइयों में अत्यन्त प्रगाढ़ स्नेह था । उदार तथा उच्चाशय कर्ण और लोभी दुर्योधन के स्वभाव में कुछ विशेष समानता न थी पर उन दोनों की मित्रता खूब निभी ।

(i) प्रस्तुत अवतरण के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक क्या कहना चाहता है ?

अथवा

अजन्ता संसार की चित्रकलाओं में अपना अद्वितीय स्थान रखता है । इतने प्राचीन काल के इतने सजीव, इतने गतिमान, इतने बहुसंख्यक कथा - प्राण चित्र कहीं नहीं बने ।

अजन्ता के चित्रों ने देश-विदेश सर्वत्र की चित्रकला को प्रभावित किया। उसका प्रभाव पूर्व के देशों की कला पर तो पड़ा ही, मध्य-पश्चिमी एशिया भी उसके कल्याणकर प्रभाव से वंचित न रह सका ।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) अजन्ता की कला का बाहर के देशों पर क्या प्रभाव पड़ा ?

2. दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2+2+2=6]

निरगुन कौन देस कौ बासी ?

मधुकर कहि समुझाइ सौह दै, बूझति साँच न हाँसी ।।

को है जनक, कौन है जननी, कौन नारि, को दासी ?

कैसे बरन, भेष है कैसौ, किहिं रस मैं अभिलाषी ?

पावेगी पुनि किया आपनो, जौ रे करैगौ गाँसी |

सुनत मौन है रह्यो बावरी, सूर सबै मति नासी ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) निर्गुण ब्रह्म के वर्णन में क्या कठिनाई व्यक्त की है ?

अथवा

चींटी को देखा ?

वह सरल, विरल, काली रेखा ।

तम के तागे-सी जो हिल-डुल

चलती लघु पद पल-पल मिल-जुल

वह है पिपीलिका पाँति ।

देखो ना किस भाँति

काम करती वह सतत !

कन-कन कनके चुनती अविरत !

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) कवि 'वह है पिपीलिका पाँति के द्वारा जीवन के किस आदर्श के प्रति संकेत करता है ?

3. दिए गए संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+3=5]

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी । इयं विमलसलिलतरङ्गायाः गङ्गायाः कूले स्थिताः। अस्याः घट्टानां वलयाकृतिः पङ्क्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते । अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति , अस्याः घट्टानाञ्च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति ।

अथवा

आम् ! राष्ट्रद्रोहः ! यवनराज ! एकम् इदं भारतंराष्ट्र, बहूनि चात्र राज्यानि, बहवश्च शासकाः । त्वं मैत्रीसन्धिना तान् विभज्य भारतं जेतुम् इच्छसि । आम्भीकः चास्य प्रत्यक्षं प्रमाणम् ।

4. दिए गए संस्कृत पद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+3=5]

अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डितः ।

अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति स पण्डितः ।।

अथवा

धान्यानामुत्तमं किंस्विद् धनानां स्यात् किमुत्तमम् ।

लाभानामुत्तमं किंस्यात् सुखानां स्यात् किमुत्तमम् ।।

5. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: [3]

(क) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ख) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

(ग) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग का कथानक लिखिए ।

(घ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्राङ्कन कीजिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ङ) (i) 'ज्योति - जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ii) 'ज्योति - जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर आज़ाद का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के कथानक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

(छ) (i) 'मेवाड़ - मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर महाराणा प्रताप का चरित्र चित्रण कीजिए ।

'मेवाड़ - मुकुट' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ज) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(झ) (i) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्राङ्कन कीजिए ।

(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

6. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नामोल्लेख कीजिए:

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(iii) भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए और उनकी एक प्रमुख रचना का नामोल्लेख कीजिए :

(i) तुलसीदास

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) रामनरेश त्रिपाठी

7. अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । [2]

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए : [2+2=4]

(i) श्वेतकेतुः कस्य पुत्रः आसीत् ?

(ii) विश्वस्य स्रष्टा कः ?

(iii) आतुरस्य मित्रं कः भवति ?

(iv) चन्द्रशेखरः स्वपितुः नाम किम् अकथयत् ?

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: [9]

(i) स्वच्छ भारत अभियान

(ii) विज्ञान वरदान या अभिशाप

(iii) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान

(iv) जनसंख्या वृद्धि की समस्या और समाधान

(v) विद्यार्थी जीवन में खेल का महत्त्व